



1 बाल कविता

गणतंत्र दिवस...

अनुज पाल धनगर

गणतंत्र दिवस फिर से आया है।
कार्यालय और स्कूलों में,
फिर से झंडा फहराया है।
बच्चों ने मिल मनाई खुशियाँ,
गली-गली तिरंगा लहराया है।
बच्चे देश के वीर सिपाही,
नेहरू जी ने बतलाया है।
गणतंत्र दिवस फिर से आया है।
उन्नीस सौ पचास, छब्बीस जनवरी,
लागू हुआ देश हरषाया।
मिले समान अधिकार सभी को,
बसंत ने भी मिलकर गाया।
कोई बड़ा न कोई छोटा,
सब – जन एक समान।
'जियो और जीने दो' सबको,
कहता भारत का संविधान।

2

बाल- विमर्श

आओ मनाएँ मिलकर होली...

अनुज पाल धनगर

आओ मनाएँ मिलकर होली,
सबने की खूब हँसी-ठिठोली।
बहुत पकवान बन हैं घर में,
गुझिया सबके मन को भायी।
भेद – भाव सभी भुलाकर,
होली सबने मिल-के मनाई।
धूम-ही-धूम मचाती टोली,
आओ मनाएँ मिलकर होली।
रंग-बिरंगे गुलाल उड़ाए,
होली बच्चों के मन भाए।
आज रंगे सबको मिलकर,
बच्चों की दौड़ी आई टोली।
आओ मनाएँ मिलकर होली।
इसे रंगा और उसे रंगा,
कोई न बचकर जाए भाई।
गले मिले सब भेद-मिटाकर,
होली की सबको बहुत बधाई।

अनुज पाल धनगर शिक्षा- बी.ए. तृतीय वर्ष ए कॉलेज- ग्रामोदय डिग्री कॉलेज, अमरपुरकाशी, बिलारी,
मुरादाबाद संपर्क- ग्रा. आटा, पो. मौलागढ़, तह. चन्दौसी, जि. सम्भल, (उ.प्र.)- 244412

ईमेल- nujpalaata@gmail.com मो. 08755123629